Title: Regarding closing down of National Textile Corporation (NTC) mills in Mumbai.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य): उपाध्यक्ष महोदय, पूरे देश में एन.टी.सी. मिलों में कार्यरत कर्मकारों के दिल में घबराहट पैदा हो गई है। अखबारों मे यह बयान आ रहा है कि एन.टी.सी. की 119 मिलों में से 100 बंद होने जा रही है। मेरे क्षेत्र मुम्बई में ऐसी 18 मिलें हैं और केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी के क्षेत्र में 7 मिलें हैं। सरकार की स्पट नीति होनी चाहिये कि कितनी मिलें बंद होने वाली हैं। सरकार कितनी जमीन बेचने जा रही है और उनसे कितना पैसा मिलने वाला है? उसमें जितना पैसा मिलेगा, वह मुम्बई की एन.टी.सी. मिल के वर्कर्स को मिलना चाहिये। देशभर में 82,113 एन.टी.सी. कर्मचारी हैं जिनमें मुम्बई में 28,828 कर्मकार हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि वह उनमें से कितने कर्मचारी कम करने जा रही है। इस सदन में उन मिलों के माडर्नाइजेशन के बारे में आश्वासन दिया गया था । इस हेतु कहा गया था कि एन.टी.सी. वर्कर्स को रॉ-मैटीरियल, कपास और वर्किंग कैपिटल देंगे। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि सरकार यह सब क्यों नहीं दे रही है। सरकार की इस बारे में जो भी नीति हो, वह स्पट होनी चाहिये। मेरा सरकार से निवेदन है कि इस बारे में अपना बयान दे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : उपाध्यक्ष महोदय, श्री रावले जी ने जो प्रश्न उठाया है, वह गंभीर तथा महत्व का है। मैं उनकी बात वस्त्र उद्योग मंत्री तक पहुंचा दूंगा। इस संबंध में टैक्सटाइल पॉलिसी बनाई गई है। मैं श्री रावले जी से आग्रह करूंगा कि वे इस बात की चर्चा उनसे भी करें।